तकनीकों का सही इस्तेमाल करना भी सिखाना चाहिए

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

हर दिन नई नई तकनीकें आ रही हैं। तकनीकी प्रगति के साथ उसके सही इस्तेमाल को भी जानने की जरूरत है। स्टूडेंट्स को तकनीकी ज्ञान तो मिलता रहता है, लेकिन उन्हें उसके सही तरह से इस्तेमाल के बारे में शायद ही पढ़ाया जाता है। शिक्षा के हर क्षेत्र में इथिक्स भी पढ़ाने जरूरी हैं। अमेरिका में मैं अपने स्टूडेंट्स को टेक्नोलॉजिकल इथिक्स भी पढ़ाता हूं जिससे आगे की पीढ़ी तकनीकों का समाज की बेहतरी के लिए उपयोग कर सके।

यह बात मंगलवार को यूनिवर्सिटी ऑफ केलिफोर्निया में कंप्यूटर साइंस के प्रोफेसर विश्वनाथ मुखर्जी ने नईदुनिया से चर्चा के दौरान कही। वो आईआईटी इंदौर द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांस्ड नेटवर्क्स एंड टेलीकम्युनिकेशंस सिस्टम के लिए आए हैं। उन्होंने कहा आज हम 5जी तकनीक की बात कर रहे हैं, लेकिन जरूरत है इसके आगे की बात करने की। एजुकेशन सिस्टम इस तरह का होना चाहिए जो सिर्फ आज की समस्याओं और उनके समाधान तक ही सीमित न हो बल्कि भविष्य को सोच कर चले। शिक्षित वर्क फोर्स तैयार करने पर ध्यान देना चाहिए जो भविष्य में हर क्षेत्र में बेहतर कार्य करेंगे।

अमेरिका से आए कौशिक सिन्हा ने कहा 5जी तकनीक का असर शिक्षा, स्वास्थ्य, इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि बैंकिंग, ट्रांसपोर्ट सभी जगह दिखेगा। जिन लोगों की पहुंच कक्षाओं तक नहीं है वो भी घर बैठे उसी तरह की पढ़ाई कर सकेंगे क्योंकि स्पीड ज्यादा होने से इंटरेक्टिव कम्युनिकेशन होगा। इसके अलावा रिमोट और ग्रामीण क्षेत्रों में जहां अस्पताल नहीं हैं, वहां भी बेहतर सुविधाएं पहुंचाई जा सकती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस से 3डी टेलीकांफ्रेंसिंग, रोबोटिक सर्जरी से बहुत बड़े बदलाव दिखेंगे।

ये होंगे फायदे

नॉर्वे से आए सुधीर दीक्षित ने कहा 5जी नेटवर्क में बड़े मोबाइल टॉवर के साथ छोटे-छोटे सेल्स होंगे जिससे कम्युनिकेशन ज्यादा बेहतर होगा। अलग-अलग नेटवर्क की जगह एक ही नेटवर्क से होकर डाटा जाएगा तो स्पीड बहुत ज्यादा होगी और कॉल ड्रॉप जैसी समस्याएं नहीं होगी। सेवाएं ज्यादा बेहतर, जल्दी और सस्ती हो जाएंगी। परफॉर्मेंस रिक्वायरमेंट 1000 गुना ज्यादा होगी।

Nai Dunia (Indore), 19th December 2018, Nai Dunia Live, Page-17